पंजीकरण लिंक https://forms.gle/KAZJPdQZkQgWcGmU8

QR Code For Registration	

महत्वपूर्ण तिथियां

- शोध पत्र सारांश (200 शब्द) भेजने की अंतिम तिथि - 08 सितम्बर 2024
- शोध पत्र सारांश को शामिल किए जाने की सहमति - 10 सितम्बर 2024
- पूर्ण शोध आलेख भेजने की अंतिम तिथि - 17 सितम्बर 2024
- पंजीकरण की अंतिम तिथि - 17 सितम्बर 2024
- फीस भुगतान के पश्चात पंजीकरण संभव होगा |
- ई-मेल – glseminar@vmou.ac.in

पंजीकरण हेतु ऑनलाइन भुगतान

Bank	Punjab National Bank, VMOU, Kota
Account Name	GL Seminar
A/C Number	0895100100004989
IFS Code	PUNB0089510
UPI Address	8859540444m@pnb
QR Code For Payment	

संयोजक
प्रोफेसर सुबोध कुमार
88595-40444

सह-संयोजक
डॉ. बाबूलाल भाट
94149-66427

तकनीकी सहयोग
डॉ. सौरभ पाण्डेय 94140-24873
डॉ. मयंक गौड़ 99104-67835

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय

एवं

घुमन्तू जाति उत्थान न्यास

के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

राष्ट्रीय संगोष्ठी

गाड़िया लोहार - प्रगति की तलाश में

23 सितम्बर, 2024 (सोमवार)

आयोजन स्थल
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय
रावतभाटा रोड, कोटा (राजस्थान)

उद्देश्य

सूर्यवंश की सिसोदिया शाखा से संबंध रखने वाले साहसी, पराक्रमी, कठिन परिश्रमी एवं स्वतन्त्रता प्रेमी, लोहे के अस्त्र-शस्त्र व कृषि उपकरण बनाने में निपुण गाड़िया लोहार घुमंतू समुदाय आज सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सबसे वंचित समुदाय है। शताब्दियों से उपेक्षित, उत्पीड़ित और अलगाव ने इन्हें इतना कमजोर बना दिया कि यह राष्ट्र की मुख्य धारा से जुड़ने से वंचित हो रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक देश में गाड़िया लोहार घुमंतू समुदाय के लोगों की संख्या 15 लाख के आसपास बताई गई है। इस समूह की ओर सरकार, सामाजिक कार्यकर्ताओं, समाजशास्त्रियों, मानव विज्ञानियों आदि का ध्यान कम गया है।

वर्ष 1568 में मुगलों ने चित्तौड़ पर आक्रमण कर उसे अपने अधीन कर लिया। उसी समय गाड़िया लोहारों ने मेवाड़ की स्वतन्त्रता के लिए प्रतिज्ञा की कि 'जब तक मेवाड़ वापस जीत नहीं लेते, तब तक वे लोग कभी छत के नीचे नहीं रहेंगे, रात में दीपक नहीं जलाएंगे। दुर्भाग्य से परिणाम अनुकूल नहीं आए, इसलिए गाड़िया लोहार समुदाय ने अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार जीवन शैली को अपनाया। पीड़ाजनक बात यह है कि आज भी गाड़िया लोहार समुदाय के लोग उसी जीवन शैली से जीवन-यापन कर रहे हैं। यह समुदाय जीविकोपार्जन के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर बैलगाड़ियों से आते-जाते हैं और बैलगाड़ी को ही अपना घर बना रखा है, इसलिए इन्हें 'गाड़िया लोहार' की संज्ञा दी गई है।

उक्त विषयक, इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य गाड़िया लोहार समुदाय की मूलभूत समस्याओं पर चिंतन करते हुए उचित समाधान का प्रयास करना है। साथ ही इस समुदाय में जागृति उत्पन्न करके उन्हें उनकी गौरवशाली ऐतिहासिक, सामाजिक व सांस्कृतिक परम्पराओं के साथ समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है।

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा राजस्थान का एकमात्र राजकीय खुला विश्वविद्यालय है, जिसकी स्थापना 23 जुलाई 1987 को हुई थी। इस विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में विशेष रूप से कला, वाणिज्य, विज्ञान, पत्रकारिता, पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान आते हैं। उच्च शिक्षा की बेहतर गुणवत्ता के कारण विश्वविद्यालय को नैक से **'ग्रेड ए'** प्राप्त है। विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष एक लाख से ज्यादा विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं। विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाली बालिकाओं के लिए नि:शुल्क शिक्षा का प्रावधान है।

घुमन्तू जाति उत्थान न्यास

घुमन्तू जातियों के सर्वांगीण विकास के लिए घुमन्तू जाति उत्थान न्यास कार्यरत है। यह न्यास घुमन्तू जातियों को आत्मनिर्भर बनाने एवं उनके पुनर्वास करने का कार्य काफी समय से कर रहा है। न्यास द्वारा घुमन्तू समुदाय के शैक्षिक, आर्थिक व सामाजिक उन्नयन के लिए अनेक कार्यक्रम जैसे – शिक्षण, छात्रावास सुविधा, रोजगार प्रशिक्षण, सामुदायिक जागरूकता, स्वास्थ्य शिविर, शोध संगोष्ठी व जन - जागरूकता के कार्यक्रम चलाए जाते हैं। संगोष्ठी में अखिल भारतीय घुमन्तू कार्य प्रमुख श्रीमान **दुर्गादास जी** का मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा।

कार्य योजना – 23 सितम्बर 2024

प्रात: 08.30 - 10.00 बजे	-	**पंजीकरण / अल्पाहार**
प्रात: 10.00 - 11.30 बजे	-	**उद्घाटन समारोह**
प्रात: 11.30 - 12.00 बजे	-	**चाय**
दोपहर 12.00 – 01.30 बजे	-	**प्रथम तकनीकी सत्र** (गाड़िया लोहार समुदाय की ऐतिहासिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि)
अपरान्ह 01.30 – 02.30 बजे	-	**भोजन**
अपरान्ह 02.30 – 04.00 बजे	-	**द्वितीय तकनीकी सत्र** (गाड़िया लोहार समुदाय की दशा एवं दिशा)
अपरान्ह 04.00 – 04.30 बजे	-	**चाय**
अपरान्ह 04.30 – 06.00 बजे	-	**तृतीय तकनीकी सत्र एवं समापन** (गाड़िया लोहार समुदाय : प्रगति पथ का सृजन)

विशेष : प्रतिभागी संगोष्ठी के मुख्य विषय से जुड़े अन्य आयामों पर भी अपने शोध पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

पंजीयन शुल्क

- **शिक्षक** 500/-
- **विद्यार्थी** 200/-

शोध पत्र प्रस्तुतकर्ता/लेखकों हेतु सामान्य दिशा-निर्देश

- संगोष्ठी का आयोजन दोनों विधियों (ऑन लाइन और ऑफ लाइन मॉड) से किया जाएगा।
- प्रतिभागियों के पंजीकरण ऑनलाइन किए जाएंगे।
- प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।
- शोध पत्र हिन्दी में Kruti dev 010 फांट में टाइप करें (फांट साइज शीर्षक 16, सबहेड 14, हेडिंग 12, बॉडी टेक्स्ट 12, स्पेसिंग 1.5, अलाइनमेंट-जस्टीफाइड) तथा अंग्रेजी में Times New Roman फांट में टाइप करके MS-Word File में भेज सकते हैं।
- शोध पत्र की शब्द सीमा 3500 से अधिक न हो।
- शोध पत्र में लेखक, सह-लेखक अपना पदनाम व संस्था का नाम भी लिखें। यदि शोध पत्र के कई लेखक हैं तो सभी का पंजीकरण आवश्यक है। शोध पत्र का Plagiarism 15 फीसदी से कम हो।
- शोध पत्र में लेखक, सह-लेखक के ई-मेल भी लिखें। साथ ही संपर्क हेतु पूरा पता भी दर्ज करें।